बीपीसीसी 114

कला स्नातक (ऑनर्स) मनोविज्ञान

(बीएपीसीएच)

कोर पाठ्यक्रम (CC)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोडः बीपीसीसी 114

पाठ्यक्रम शीर्षकः परामर्श मनोविज्ञान

मनोविज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025-जनवरी 2026

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया हैं कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैं।

i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक, तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं (कुल अंक 100)।

बीपीसीसी 114, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी + 2 क्रेडिट प्रैक्टिकल) कला स्नातक मनोविज्ञान ऑनर्स का पाठ्यक्रम हैं। आपको **बीपीसीसी 114** के 4 क्रेडिट के लिए निम्नलिखित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे। कृपया प्रैक्टिकल भाग के 2 क्रेडिट के लिए **बीपीसीसी 114** की पाठ्य सामग्री में दिये गये प्रैक्टिकल दिशा–निर्देशों का संदर्भ लीजिए।

सत्रीय कार्य.-I .में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका उद्देश्य विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना हैं।

सत्रीय कार्य.-II में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न विषय से संबधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें यह अनिवार्य हैं कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर **अपने शब्दों में लिखें।**

आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा यह आपके सत्रांत परीक्षा के लिए सहायक होगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 एवं जनवरी 2026	31 मार्च 2026 एवं 30 सितम्बर 2026	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करें।

* विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) पर सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथि देखिए।
* आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रदान किये गये अध्ययन केन्द्र के संयोजक को ही भेजने होते हैं।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   a) **योजनाः** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर ले, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   b) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      i) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      ii) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      iii) उचित भाव, शैली और प्रस्तुति के साथ आपका उत्तर सही हों।

   c) **प्रस्तुतीकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें।

   उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य हैं।

   जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता (academic counselor) को सुविधा होगी।

3. **उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होना चाहिए।**
   अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगें।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किए सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती हैं जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू , दिल्ली

बीपीसीसी 114 : परामर्श मनोविज्ञान

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : BPCC-114

सत्रीय कार्य कोड : बीपीसीसी 114 एएसएसटी/TMA जुलाई 2025-जनवरी 2026

अधिकतम अंक: 100

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत हैं। 3x20=60

1. निर्देशन, मनोचिकित्सा और परामर्श में अंतर कीजिए। परामर्श प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
2. मनोविश्लेषण के लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए। मनोविश्लेषण में प्रयुक्त तकनीकों का वर्णन कीजिए।
3. तार्किक सांवेगिक व्यवहार चिकित्सा का मूल्यांकन कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित संक्षिप्त श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक नियत हैं। 8x5=40

4. परामर्श में आंकलन के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।
5. द्वंद्वात्मक व्यवहार चिकित्सा एवं स्वीकृति और प्रतिबद्धता चिकित्सा की व्याख्या कीजिए।
6. दुःख और शोक परामर्श का वर्णन कीजिए।
7. कला चिकित्सा को परिभाषित कीजिए। कला चिकित्सा के चरणों और इसके लाभों का वर्णन कीजिए।
8. स्कूल परामर्शदाता की भूमिका का वर्णन कीजिए। स्कूल परामर्श में नैतिकता को दर्शाइए।
9. एचआईवी/एड्स में सामान्यतः प्रयुक्त परामर्श तकनीकों, एंव इससे संबंधित बाधाओं का वर्णन कीजिए।
10. ऑनलाइन परामर्श के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।
11. श्री अरविंदो के एकात्म मनोविज्ञान पर चर्चा कीजिए।